Tender Heart High School, Sector-33-B, Chandigarh.

कक्षा - नौवीं

विषय - हिन्दी व्याकरण
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

पुस्तक - सरस हिन्दी व्याकरण - नौं एवं दस

उपविषय - तत्सम तद्भव शब्द

सुप्रभात प्यारे बच्चो !

आज हम कक्षा नौवीं की हिन्दी व्याकरण की पाठ्य पुस्तक सरस हिन्दी व्याकरण भाग नौं एवं दस की पृष्ठ संख्या 257 पर दिए तत्सम और तद्भव शब्दों का अध्ययन करेंगे।
है।

बच्चो ! आज हम तत्सम और तद्भव शब्दों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे। आप सब अपनी - अपनी पुस्तक की पृष्ठ संख्या 257 निकाल लें साथ ही एक उत्तर-पुस्तिका भी निकाल लें और पढ़ने के लिए तैयार हो जाएँ। विषय पर चर्चा करते - करते आपसे कुछ प्रश्न भी पूछे जाएँगे। प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आपको तीन मिनट दिए जाएँगे। उस तीन मिनट में ही आपने पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं। आशा करती हूँ कि अब आप पढ़ने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

बच्चो ! सबसे पहले हम तत्सम तद्भव शब्दों के बारे में जानेंगे। तत्सम शब्द दो शब्दों के मेल से बना है - तत् + सम। तत् + सम अर्थात् उसके समान। जो शब्द सीधे संस्कृत से आए हैं और हिन्दी भाषा में प्रयुक्त होते हैं, तत्सम कहलाते हैं। अर्थात् हिन्दी भाषा में जो शब्द संस्कृत से ज्यों के त्यों अर्थात् बिना परिवर्तन के ले लिए गए, उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं। तत्सम शब्द

भाषा को सुधारने में सहायक हो सकते हैं साथ ही पर्यायवाची शब्दों में भी सहायक होते हैं। जैसे :- सूर्य, अग्नि, दुग्ध, सर्प, आम्र, चंद्र, कर्म आदि।

तद्भव तत् + भाव से बना है जिसका अर्थ है उसी से उत्पन्न। संस्कृत भाषा के ऐसे शब्द जो कुछ बदलाव के साथ हिन्दी में प्रयोग किए जाते हैं, तद्भव शब्द कहलाते हैं। जैसे :-

सूरज, आग, दूध, साँप, आम, चाँद, काम आदि।

हिन्दी भाषा की जननी संस्कृत है। अतः हिन्दी में दोनों प्रकार के ही शब्द मिलते हैं।

बच्चो! अब मैं आपकी पुस्तक में दिए तत्सम - तद्भव शब्दों को पढ़ूँगी। आप सभी ध्यानपूर्वक सुनेंगे।

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
अचरज	आश्चर्य	अमी	अमृत
आठ	अष्ट	आम	आम्र
आँख	अक्षि	ओठ	ओष्ठ
आग	अग्नि	गेहूँ	गोधूम
घर	गृह	घी	घृत
जीभ	जिह्वा	थन	स्तन
दही	दधि	दूध	दुग्ध
धुआँ	धूम्र	ईख	इक्षु
कछुवा	कच्छप	काज	कार्य
कान	कर्ण	काम	कर्म
किवाड़	कपाट	कुम्हार	कुंभकार
कोयल	कोकिल	बहू	वधू
बूँद	बिंदु	भगत	भक्त
मुँह	मुख	माथा	मस्तक
मीठा	मिष्ठ	मीत	मित्र
मोर	मयूर	मुट्ठी	मुष्टि

CamScanner

बच्चो ! अब मैं आपसे कुछ प्रश्न पूछूँगी। प्रश्न सुनकर आप तीन मिनट का विराम लेंगे और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर अपनी - अपनी उत्तर - पुस्तिका में लिखेंगे। प्रश्न इस प्रकार हैं :-

प्रश्न 1. तत्सम और तद्भव में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए :-
(क) आठ (ख) दूध (ग) कान (घ) मीत।

प्रश्न 3. निम्नलिखित शब्दों के तद्भव रूप लिखिए :-
(क) मस्तक (ख) मयूर (ग) वधू (घ) कोकिल।

बच्चो ! प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए दी गई तीन मिनट की अवधि अब समाप्त हो चुकी है। आशा करती हूँ कि आपने उपर्युक्त प्रश्नों के उत्तर अपनी-अपनी उत्तर-पत्रिका में लिख लिए होंगे। अब मैं आपको उन्हीं प्रश्नों के उत्तर बताने जा रही हूँ, जो इस प्रकार हैं :-

उत्तर 1. कुछ शब्द ऐसे होते हैं जो होते तो संस्कृत के हैं परन्तु हिन्दी में भी बिना परिवर्तित हुए प्रयुक्त होते हैं। उन शब्दों को तत्सम कहा जाता है और यदि उन शब्दों में थोड़ा-सा परिवर्तन करके हिन्दी में प्रयुक्त करें तो उन शब्दों को तद्भव शब्द कहा जाता है।

उत्तर 2. निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप हैं :-
(क) आठ - अष्ट (ख) दूध - दुग्ध
(ग) कान - कर्ण (घ) मीत - मित्र।

उत्तर 3. निम्नलिखित शब्दों के तद्भव रूप हैं :-
(क) मस्तक - माथा (ख) मयूर - मोर
(ग) वधू - बहू (घ) कोकिल - कोयल।

बच्चो ! अब हम आगे दिए गए तत्सम-तद्भव शब्दों को पढ़ेंगे। आपका ध्यान इसी प्रकार अपनी -

कक्षा - नौवीं शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा

विषय - हिन्दी व्याकरण (तत्सम - तद्भव शब्द)

अपनी पुस्तक पर ही केन्द्रित होना चाहिए।

तद्भव	तत्सम	तद्भव	तत्सम
नेह	स्नेह	नैन	नयन
पाहन	पाषाण	पत्थर	प्रस्तर
पंख	पक्ष	पाँव	पाद
पिता	पितृ	पूत	पुत्र
पौता	पौत्र	लाज	लज्जा
शक्कर	शर्करा	सूत	सूत्र
सुहाग	सौभाग्य	साँकल	शृंखला
साग	शाक	सिंगार	शृंगार
सीस	शीर्ष	सूरज	सूर्य
सेठ	श्रेष्ठी	सात	सप्त
सीख	शिक्षा	हाथ	हस्त
हाथी	हस्ति	उँगली	अँगुलि
अंधा	अंध	आँसू	अश्रु
हड्डी	अस्थि	उल्लू	उलूक
ऊँट	उष्ट्र	कुआँ	कूप
किशन	कृष्ण	माथा	मस्तक
गधा	गर्दभ	मक्खी	मक्षिका
मिट्टी	मृत्तिका	लाख	लक्ष
सौ	शत	बंदर	वानर
भाप	वाष्प	घोड़ा	घोटक
घड़ा	घट	चाँद	चंद्र
जेठ	ज्येष्ठ	नाक	नासिका
नींद	निद्रा	नाच	नृत्य
भीख	भिक्षा	भँवरा	भ्रमर
मोती	मौक्तिक	साँस	श्वास
साँवला	श्यामल	सच	सत्य
सोना	स्वर्ण	शाम	सायं

बच्चो ! अब हमारे तत्सम - तद्भव शब्द समाप्त हो चुके हैं। आशा करती हूँ कि आपने इन शब्दों को ध्यानपूर्वक सुना एवं समझा होगा। सभी छात्र इन शब्दों को पुनः पढ़ेंगे एवं समझेंगे। अब मैं आपको गृहकार्य देने जा रही हूँ। इस कार्य को आप सभी अपनी - अपनी व्याकरण की उत्तर - पुस्तिका में लिखेंगे एवं याद करेंगे।

गृहकार्य

सभी छात्र अपनी व्याकरण की पुस्तक की पृष्ठ - संख्या 257 एवं 258 पर दिए तत्सम एवं तद्भव शब्दों को पढ़ेंगे एवं अपनी - अपनी व्याकरण की उत्तर - पुस्तिका में लिखेंगे और याद भी करेंगे। हिन्दी विषय पढ़ने वाले सभी छात्रों का इस कार्य को करना अनिवार्य है। सभी छात्र इस कार्य को सुन्दर लिखाई में करेंगे।

धन्यवाद।

[अंतिम पृष्ठ]